अक्षरों की जादुई दुनिया

Vasu Srivastava

ग्यारह साल का आर्यन स्कूल की पुरानी लाइब्रेरी में एक धूल भ
लेकिन चमकती हुई किताब ढूंढता है। जैसे ही वह किताब का पहला प
पलटता है, 'अ' अक्षर एक सुनहरी रोशनी के साथ हवा में तैरने लगता
और आर्यन को अपनी ओर खींचता है।

आर्यन अचानक खुद को बादलों के ऊपर एक रंगीन दुनिया में
पाता है जहाँ 'अ' से 'अः' तक के स्वर संगीत की धुन पर नाच रहे हैं। व
हर स्वर की गूँज को महसूस करता है और उनके मधुर उच्चारण के सा
हवा में कलाबाज़ियाँ खाता है।

एक बड़े बाग में पहुँचकर आर्यन देखता है कि 'अ' से अनार के द
मोतियों की तरह चमक रहे हैं और 'आ' से आम के पेड़ फलों से लदे ह
यहाँ वह सीखता है कि कैसे 'आ' की मात्रा लगने से शब्दों की आवाज़
लंबी और गहरी हो जाती है।

आगे बढ़ते ही आर्यन एक जादुई जंगल में प्रवेश करता है जहाँ व्यंजनों का राज है। 'क' से कबूतर उसके कंधे पर आकर बैठता है औ 'ख' से खरगोश झाड़ियों के पीछे से निकलकर उसे क-वर्ग के अक्षरों व रास्ता दिखाता है।

रास्ते में आर्यन को 'ग' से गमला मिलता है जिसमें जादुई फूल खिले हैं और पास ही 'घ' से बना एक सुंदर घर है। वह हर अक्षर के छूकर उनके सही उच्चारण का अभ्यास करता है और व्यंजनों की बनाव को ध्यान से देखता है।

एक बहती हुई नदी के पास पहुँचकर आर्यन को एक चुनौती मिलती है जहाँ उसे 'च', 'छ', 'ज', 'झ' लिखे पत्थरों पर सही क्रम में पैर रखकर पार करना है। आर्यन अपनी सूझबूझ से अक्षरों को पहचानता और सफलतापूर्वक नदी पार कर लेता है।

नदी के दूसरे किनारे पर एक विशाल मात्रा-वृक्ष खड़ा है जहाँ 'ा की मात्रा हवा में झूल रही है। आर्यन देखता है कि जब यह मात्रा किस अक्षर के पीछे खड़ी होती है, तो 'न' झट से 'ना' और 'क' झट से 'का बन जाता है।

तभी 'त' से 'न' और 'प' से 'म' तक के अक्षरों की एक भव्य परेड शुरू होती है। आर्यन इन सभी व्यंजनों के साथ तालियाँ बजाता है और उनके अनोखे आकार और ध्वनियों को अपने मन में हमेशा के लिए बस लेता है।

सफर के अंत में 'य' से 'ज्ञ' तक के अक्षर आर्यन को एक चमक
हुई रेत के मैदान पर ले जाते हैं। आर्यन अपनी उंगली से रेत पर इन आं
अक्षरों को लिखता है और महसूस करता है कि अब उसे पूरी वर्णमाल
की अच्छी पहचान हो गई है।

अचानक एक तेज़ रोशनी होती है और आर्यन वापस अपनी लाइब्रेरी की मेज़ पर आ जाता है। अब उसके सामने रखी किताब के अक्षर उसे अजनबी नहीं बल्कि दोस्त लगते हैं, और वह खुशी-खुशी अपनी हिंदी की नई यात्रा शुरू करने के लिए तैयार है।